मूल्य – 5 रु.

Tara

तारांशु

मासिक

दिसम्बर – 2019

वर्ष 8, अंक 3, पृ.सं. 20

कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु संचालित

मस्ती की पाठशाला

के कुछ होनहार बच्चे

आनन्द वृद्धाश्रम :

"आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना"

तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम में रहने वाले बुजुर्गों की निरंतर भोजन सेवा, चिकित्सा हेतु भविष्य निधि (Corpus Fund) में सहयोग देवें।

वृद्धजन सहयोगी "शांति"
रु. 1,00,000/-

वृद्धजन सहयोगी "शक्ति"
रु. 51,000/-

वृद्धजन सहयोगी "आस्था"
रु. 21,000/-

आपके सहयोग की ब्याज राशि से वृद्धाश्रम के कार्य चलायमान रहेंगे।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)
01 वर्ष - 60000 रु., 06 माह - 30000 रु., 01 माह - 5000 रु.

तारा नेत्रालय :

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर

तारा संस्थान की इस नवीन योजना के अन्तर्गत स्कूलों में नेत्र जाँच शिविर लगाकर चेकअप कर, उन्हें मुफ्त में चश्मे दिए जाते हैं। यदि किसी बच्चे को Cataract का Diagnosis होता है तो उनका तारा नेत्रालय में निःशुल्क ऑपरेशन किया जाता है।

रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर सौजन्य
200 बच्चे - 15000 रु., 400 बच्चे - 30000 रु., 2000 बच्चे - 150000 रु.

उपर्युक्त राशि द्वारा बच्चों की नेत्र जाँच, निःशुल्क चश्मे एवं स्टेशनरी वितरण शामिल है।

''तारा संस्थान, उदयपुर''
राजस्थान रजिस्ट्रीकरण प्रमाण-पत्र क्रमांक:
31/उदयपुर/2009-10 दिनांक 25 जून, 2009
द्वारा पंजीकृत है।

आशीर्वाद
डॉ. कैलाश 'मानव'
संस्थापक एवं प्रबन्ध न्यासी,
नारायण सेवा संस्थान (ट्रस्ट), उदयपुर

आभार
श्रीमती पुष्पा - श्री एन.पी. भार्गव
मुख्य संरक्षक, तारा संस्थान,
उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती शमा - श्री रमेश सचदेवा
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती सुषमा - श्री सत्यभूषण जैन
संरक्षक, प्रमुख समाजसेवी, दिल्ली

डॉ. जे.पी. शर्मा
संरक्षक, समाजसेवी एवं शिक्षाविद्, दिल्ली

श्रीमती सुमन - श्री अनिल गुप्ता (ISKCON)
संरक्षक, उद्योगपति एवं समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती प्रेम निझावन
समाजसेवी, दिल्ली

श्रीमती राजरानी - श्री राजेन्द्र कुमार जैन
समाजसेवी, दिल्ली

श्री प्रताप सिंह तलेसरा
संरक्षक, तारा संस्थान, उदयपुर

प्रकाशक एवं सम्पादक
कल्पना गोयल

दिग्दर्शक
दीपेश मित्तल

कार्यकारी सम्पादक
तख़्त सिंह राव

ले-आउट व ग्राफिक डिजाइनर
गौरव अग्रवाल

अनुक्रमणिका

विषय — पृष्ठ संख्या

आनन्द वृद्धाश्रम भविष्य निधि योजना / रोशनी : बच्चों के नेत्र शिविर 02
अनुक्रमणिका.....03
लेख : 1 - हमारा कुनबा इतना बड़ा होने लगा कि हर घर छोटा पड़ने लगा 04-05
आवरण कथा : ''मस्ती की पाठशाला'' के कुछ होनहार बच्चे 06-10
हमारे भामाशाह.....11
आनन्द वृद्धाश्रम / तारा नेत्रालय 12
गौरी योजना / तृप्ति योजना.....13
न्यूज ब्रीफ.....14-15
विनम्र अपील / नेत्र शिविर सौजन्य.....16
नेत्रालय मासिक अपडेट्स : मोतियाबिन्द जाँच शिविर 17
धन्यवाद / अभिनन्दन 18
सम्पर्क सूत्र - तारा संस्थान 19

आशीर्वाद - डॉ. कैलाश 'मानव' संस्थापक - नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

श्रीमती कल्पना गोयल (दाएं) अपने पूज्य पिता डॉ. कैलाश ''मानव'' तथा
श्रीमती कमला देवी अग्रवाल की सन्निधि में, साथ में संस्थान
सचिव श्री दीपेश मित्तल (बाएं)

'तारांशु' - स्वत्वाधिकारी, श्रीमती कल्पना गोयल द्वारा 240-ए, हिरण मगरी, सेक्टर - 6, उदयपुर (राज.) 313002 से प्रकाशित तथा मुद्रक श्री सत्यप्रकाश कुमार शर्मा द्वारा सागर ऑफसेट प्रिन्टर, इण्डिया प्रा. लि. प्लॉट नं. 518, इकोटेच - III, उद्योग केन्द्र एक्टेंशन - II, ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर (उत्तर प्रदेश) में मुद्रित, सम्पादक - श्रीमती कल्पना गोयल

रवीन्द्र नाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम
प्रयागराज (उ.प्र.)

ओम दीप आनन्द वृद्धाश्रम
फरीदाबाद (हरियाणा)

आनन्द वृद्धाश्रम
उदयपुर (राज.)

हमारा कुनबा इतना बड़ा होने लगा कि हर घर छोटा पड़ने लगा

बेसहारा महिला मांगीबाई आनन्द वृद्धाश्रम में

अभी थोड़े दिनों पहले उदयपुर के सरकारी मेडिकल कॉलेज के ऑर्थोपेडिक वार्ड से फोन आया कि एक महिला है जिनका कोई नहीं है वो लगभग एवं माह से बीमार थी कुछ फ्रेक्चर था पैर में, वो फ्रेक्चर अब ठीक हो गया है और उनका कोई नहीं है तो आप उनको तारा के वृद्धाश्रम में रख लेवें। हमने राजेश जी जो वृद्धाश्रम इंचार्ज हैं उन्हें उनसे मिलने भेजा, पता लगा कि उनका फ्रेक्चर तो ठीक हो गया है लेकिन वो बिस्तर पर ही है। उदयपुर से लगभग 100 कि.मी. दूर आवरी माता की रहने वाली है और मानसिक रूप से भी ठीक ही लगी तो अगले दिन गाड़ी भेजकर उन्हें बुलवा लिया। एक दिन बाद जब मैं वृद्धाश्रम गई तो मुझे बताया गया कि वो कुछ खा नहीं रही है तो मैं उनके पास गई, उनसे नाम पता पूछा तो उन्होंने अच्छे से बता दिया, फिर उन्हें खिचड़ी खिलवाई तो उन्होंने एक दो चम्मच खा ली तो मुझे तसल्ली आई क्योंकि बिना खाए तो वो कैसे स्वस्थ रह पाती। राजेश जी को बोला कि ग्लूकोस मंगवाकर उन्हें हर एक दो घंटे में पिलवाएँ जिससे उनके शरीर में ताकत रहे और जैसा भी खाएँ थोड़ा बहुत अवश्य खिलाएँ।

उद्घाटन 3 फरवरी, 2012

अभी जब ये लेख लिखने बैठी हूँ तो लगता है कि वृद्धाश्रम जब शुरू किया तब तो कोई सोच ही नहीं थी बस ये देखा कि तारा के आई कैम्प्स में बहुत से बुजुर्ग ऐसे आते थे जिनके बच्चे या तो बाहर थे या केयर नहीं करते थे। सो लगा कि एक वृद्धाश्रम खोल लेते हैं जिससे इन बुजुर्गों को घर मिल जाएगा। शुरू में 25 लोगों की व्यवस्था की तब आशंका थी कि ये 25 बैड भी भरेंगे क्या? क्योंकि मैंने कई वृद्धाश्रमों के बारे में सुना था कि भवन तो बन गया लेकिन रहने वाले नहीं आए क्योंकि हमारा समाज अभी भी वृद्धाश्रम को उतनी स्वस्थ परंपरा नहीं मानता है। ये भी लगता था कि उदयपुर और आस–पास से कितने बुजुर्ग वृद्धाश्रम में आ जाऐंगे रहने। लेकिन सब कुछ वैसा होता नहीं जैसा हम सोचते हैं। फरवरी 2012 में शुरू हुआ आनन्द वृद्धाश्रम 7–8 महीने में ही भरने लगा और जो सबसे पहले रहने आए थे उनमें उदयपुर के एक पुरुष और एक महिला तो थे ही उनके अलावा कोलकाता का एक बंगाली कपल और मुम्बई के प्रदीप जी थे। प्रदीप जी तो अभी भी आनन्द वृद्धाश्रम में रह रहे हैं। हमें भी नहीं पता कैसे लेकिन पूरे भारत से बुजुर्ग आने लगे और तारा संस्थान के आनन्द वृद्धाश्रम का परिवार बढ़ने लगा। जैसे–जैसे लोग रहने आने लगते वैसे–वैसे हम उनके लिए जगह बनाते रहते। पहले एक कमरा बढ़ाया फिर तारा नेत्रालय, उदयपुर के वार्ड को बाहर बरामदे में शिफ्ट करा और एक हाल और वृद्धाश्रम को दिया लेकिन जैसे ईश्वर को पता था कि आप लोग हमारे साथ हैं तो तारा से कोई निराश सिर्फ इसलिए नहीं जाए कि वृद्धाश्रम में जगह नहीं है तो नये वृद्धाश्रम के लिए जमीन खरीदी और उस पर अलग वृद्धाश्रम भवन बन गया।

प्रदीप जी

आप दूसरों से जैसे व्यवहार की अपेक्षा करते हैं, वैसा ही व्यवहार स्वयं दूसरों के साथ करें।

22 अप्रैल, 2018 को यह भवन बना और इसमें लगभग 150 से अधिक बुजुर्गों के रहने की व्यवस्था थी। अभी भवन को बने 2 साल भी पूरे नहीं हुए हैं और यह भवन भरने लगा है वो भी तब जब कि संस्थान का वृद्धाश्रम प्रयागराज व एक वृद्धाश्रम फरीदाबाद में चल रहा है और साथ ही एक राजकीय वृद्धाश्रम उदयपुर में भी चला रहे हैं। ये तो आपका और हमारा सौभाग्य है कि हम सब मिलकर लगभग 175 बुजुर्गों को वो सुख दे रहे हैं जिसके वे हकदार हैं क्योंकि पूरी जिन्दगी जिन्होंने अपने बच्चों को अच्छा जीवन देने के लिए अपना सुख त्यागा, उन्हें उम्र के इस पड़ाव में तो सुकून चाहिए ही जब उनका शरीर साथ न दे रहा हो। हमें भी नहीं पता कि ये कैसे हो गया कि धीरे–धीरे कर पूरा भारत इस आनन्द वृद्धाश्रम में समा गया; बिहार, बंगाल, उड़ीसा, झारखण्ड, असम, न जाने कहाँ–कहाँ से बुजुर्ग आने लगे और हमारा कुनबा इतना बड़ा होने लगा कि हर घर छोटा पड़ने लगा। लेकिन मेरे पापा हमेशा कहते हैं कि ईश्वर जैसे–जैसे तूफान भेजता है वैसे–वैसे लंगर भी देता है बस जरूरत है कि कैसे सही समय पर सही उपयोग उस लंगर का किया जाये।

उद्घाटन 22 अप्रैल, 2018

वृद्धाश्रम वासी, उदयपुर

इस बार भी हम तैयार हैं, बाढ़ आने से पहले पाल बांध रखी है। यानी कि संस्थान ने उतना ही बड़ा एक प्लाट ले रखा है जिसपर नया वृद्धाश्रम बना है और एकदम नजदीक है उसी वाले वृद्धाश्रम के। तो जब अब नया वृद्धाश्रम दो तिहाई भरने लगा कि तो हम आपके पास सहयोग की योजना लेकर आए हैं भूमि के लिए। हमें तो लगता था कि अभी और वृद्धाश्रम भवन बनाने में थोड़ा समय लगेगा लेकिन शायद विधाता के मन में यही है कि हम और आप निमित्त बने, ज्यादा से ज्यादा लोगों के अंतिम कुछ वर्षों को खुशनुमा बनाने में। आप सभी जिनके दम पर हम ये सारे कार्य कर रहे हैं वो भूमि सहयोग बनकर इस नये भवन की दिशा में संस्थान का हाथ थाम सकते हैं। योजना का प्रारूप निम्न है:

तारा संस्थान के अन्तर्गत

आनन्द वृद्धाश्रम

प्रस्तावित नवीन परिसर हेतु भूमि अनुदान

भूमि हेतु सहयोग करने वाले दानदाताओं के नाम प्लॉट के मुख्य द्वार के दोनों और स्वर्णाक्षरों में अंकित किए जाएंगे और भूमि पूजन के समय आप सभी को निमंत्रित कर आपका सम्मान किया जाएगा।

भूमि सेवा "रत्न" 1,00,000 रु. **भूमि सेवा "मनीषी" 51,000 रु.** **भूमि सेवा "भूषण" 21,000 रु.**

आवरण कथा :

कच्ची बस्ती के बच्चों हेतु संचालित "मस्ती की पाठशाला" के कुछ होनहार बच्चे

जुलाई 2016 में स्थापित "मस्ती की पाठशाला" तारा संस्थान की कई सामाजिक कल्याण योजनाओं के साथ एक नया कार्य था। इस विशेष इवनिंग स्कूल का उद्देश्य उदयपुर के आस–पास के झुग्गी–झोंपड़ी के क्षेत्रों के बच्चों (जो कि कचरा बीनने का का कार्य करते एवं इधर–उधर भटकते थे) को बेहतर भविष्य प्रदान करने में मदद करना था। कार्यक्रम का उद्देश्य प्राथमिक शिक्षा के साथ–साथ इनमें स्वच्छता की भावना भी जागृत करवानी है। उन्हें सांस्कृतिक और नैतिक मूल्यों पर भी सीख दी जाती है। साथ ही साथ नृत्य और खेल आदि भी होते हैं। इसके अलावा बच्चों को नाश्ते और कुछ नकद दैनिक दिए जाते हैं ताकि उन्हें अपने माता–पिता के लिए कचरा बीनने ना जाना पड़े। तीन वर्षों से अधिक समय से संचालित नियमित रूप से कक्षाओं में भाग लेने वाले 50 बच्चों की अच्छी संख्या है। बच्चों के माता–पिता भी इस पहल से बहुत खुश हैं और बच्चों को ऐसा अवसर प्रदान करने के लिए तारा संस्थान की प्रशंसा करते हैं। वे कहते हैं कि बच्चों में घर पर भी स्वच्छता के प्रति जागरूकता बढ़ गई है और वे अब बहुत अच्छा व्यवहार करते हैं। शिक्षकों के अनुसार, झुग्गी–झोंपड़ी में रहने वाले बच्चों में छिपी प्रतिभा और बेहतर नागरिक बनने की क्षमता बहुत होती है; अगर उन्हें सही मंच दिया जाता है तो। और तारा संस्थान ने निश्चित रूप से उन्हें यह बहुत आवश्यक मंच प्रदान किया है। कार्यक्रम 1 जुलाई, 2016 से शुरू हुआ और कक्षाएँ सोमवार से शनिवार तक 4 से 6 बजे के बीच संचालित होती हैं। संस्थान प्रति बच्चे पर 1000 हर महीने खर्च करता है। **सभी दयालु दानदाताओं से अनुरोध है कि वे इस नेक काम के लिए आगे आएं और उदारतापूर्वक योगदान दें। अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें: +91 95493 99993**

झुग्गी झोंपड़ी के 1 बच्चे की शिक्षा सौजन्य सहयोग रु. 12000 प्रति वर्ष

घृणा करना शैतान का कार्य है, क्षमा करना मनुष्य का धर्म है, प्रेम करना देवताओं का गुण है।

मोहम्मद रेहान : बड़ा होकर फौजी बनूंगा

10 वर्षीय रेहान यूनिवर्सल स्कूल, उदयपुर में 6वीं कक्षा का छात्र है। सवीना कच्ची बस्ती निवासी इस बच्चे के पिता ऑटोमोबाइल मैकेनिक है एवं माँ सिलाई का कार्य करती हैं। उसके एक भाई व एक बहन है। मोहम्मद रेहान ने एक वर्ष पहले मस्ती की पाठशाला ज्वाईन की उसे यहीं के एक छात्र ने इस विशेष पाठशाला के बारे में बताया था। रेहान यहाँ की पढ़ाई एवं अन्य गतिविधियों जैसे खेलकूद आदि से बहुत खुश है। उसके शौक ड्राईंग, फुटबॉल व खो–खो खेलना है लेकिन ड्राईंग उसकी पहली पसंद है एवं यहाँ के टीचर बताते हैं कि वह बहुत सुन्दर कलाकृतियाँ बनाता है। रेहान फिल्में देखना पसंद करता है। उसकी मनपसंद फिल्म बागी–2 व पंसदीदा हीरो टाईगर श्रोफ है। मोहम्मद रेहान बड़ा होकर फौजी बनकर देश की रक्षा करना चाहता है।

भूमि : टीचर बनना चाहती हूँ

भूमि (उम्र 8 वर्ष) तारा संस्थान संचालित स्कूल शिखर भार्गव पब्लिक, स्कूल में पढ़ती है। उसके पिता नहीं रहे एवं माता घर पर ही रहती है। कोई 2 महीने पूर्व मस्ती की पाठशाला से जुड़कर भूमि अति प्रसन्न है। उसे लगता है कि यहाँ पर उसके टेलेंट को निखारने का अच्छा मौका है। उसे टी.वी. आदि का शौक नहीं है, खाना बनाने में माँ का हाथ बंटाती है। भूमि बड़ी होकर टीचिंग में अपना केरियर बनाना चाहती है। उसे आशा है कि उसके इस सपने को पूरा करने में मस्ती की पाठशाला का महत्त्वपूर्ण योगदान रहेगा।

राजेश ओड़ : डॉंसर बनूंगा

13 वर्षीय राजेश ओड़ 6वीं कक्षा का छात्र है, उसके पिता पानी के कैम्पर सप्लाई करते है एवं माँ घरों में कार्य करती है। राजेश की चार बहनें हैं जो कि अभी पढ़ाई कर रही हैं। उसके विद्यालय संस्कृत स्कूल सवीना में। राजेश को फिल्में व कार्टून देखना पसंद है लेकिन डॉंस करना उसका पैशन है, उसने डॉंस करना यहीं के छात्र गौरव से सीखा है, गौरव प्रोफेशनल डॉंस स्कूल में ट्रेनिंग हेतु जाता है। मस्ती की पाठशाला में राजेश शुरू से ही बड़े चाव से भाग लेता है। राजेश ओड़ डॉंसिंग में अपना केरियर बनाना चाहता है।

पायल लौहार : टीचर मैडम बनने का सपना है

17 वर्षीया पायल लौहार संस्कृत स्कूल, सवीना में 7 वीं कक्षा की छात्रा है। इसके पिता–माता लुहारी करते हैं यानी लौहे के घरेलू औजार आदि बनाते हैं। इनकी आर्थिक स्थिति बहुत ही कमजोर है। पक्का घर नहीं है, एक तम्बू में रहते हैं। बिजली नहीं होने की वजह से रात होने से पहले ही खाना बनाकर खा लेते हैं। पायल का एक बड़ा भाई है वह भी पढ़ाई करता है। पायल पढ़ाई–लिखाई में बहुत प्रवीण है क्लास में प्रथम स्थान प्राप्त करती है। उसका सामान्य ज्ञान भी बहुत अच्छा है। पायल के यहाँ न लाईट है न टी.वी. सो इसे देखने का कोई शौक नहीं है लेकिन वह माँ को खाने बनाने में मदद करती है। पायल लौहार मस्ती की पाठशाला की टीचर मैडमों से बहुत प्रभावित है एवं बड़ी होकर स्वयं भी टीचर बनना चाहती है।

कमजोर वह नहीं है जिसे कमजोर कहा जाता है, बल्कि वह है जो अपने को कमजोर समझता है।

संगीता : पुलिस इंस्पेक्टर बनने का सपना है

सवीना कच्ची बस्ती निवासी 13 वर्षीया संगीता 6वीं कक्षा की विद्यार्थी है। उसका एक भाई है जो दुकान पर काम करता है, पिताजी टैम्पो चलाते हैं एवं माँ लोगों के घरों में काम करती है। संगीता को पढ़ने लिखने का बहुत लगाव है और अपनी कक्षा में अव्वल रहती है परन्तु माता–पिता अनपढ़ हैं अतएवं कई बार उसको समझ नहीं पाते और उसकी पढ़ाई हेतु किसी आवश्यक सामग्री हेतु पैसे नहीं देते लेकिन उसकी सारी जरूरतें अब मस्ती की पाठशाला पूरी कर देती है। संगीता मस्ती की पाठशाला में शुरूआत से ही आ रही है। एवं अत्यन्त खुश है कि उसे पढ़ाई लिखाई में इतनी मदद मिल रही है जिससे वह आगे जाकर अपने पुलिस इंस्पेक्टर बनने का सपना पूरा कर पाएगी। संगीता को कोई अन्य शौक नहीं है वह घर पर झाड़ू–पोंछा और खाना बनाने में सहायता करना पसंद करती है।

(दाएं) संगीता अपनी सहपाठी को पाठ समझाती हुई

रोहित ओड़ : पुलिस ऑफिसर बनूंगा

12 वर्षीय रोहित ओड़ संस्कृत स्कूल, सविना का चौथी कक्षा का विद्यार्थी है। उसके पिता टैम्पो चालक है एवं माँ मजदूरी करती है। घर में एक छोटी बहन है। रोहित को उसके चचेरे भाई ने मस्ती की पाठशाला में 6 महीने पहले दाखिला दिलाया। यहाँ उसके होमवर्क, प्रोजेक्ट आदि के विषयों पर माता–पिता भी खुश है कि लड़के को पढ़ाई में अतिरिक्त सहायता मिल रही है। जिससे वह अच्छे परिणाम के साथ पास होगा और आगे जाकर अच्छा केरियर बना पाएगा। वे मस्ती की पाठशाला और तारा संस्थान के आभारी हैं। रोहित कार्टून देखने का शौकीन है और डोरेमॉन उसका पसंदीदा कार्टून केरेक्टर है। इसके अतिरिक्त कंचे खेलने में रोहित मास्टर है और सबसे जीत जाता है। रोहित ओड़ बड़ा होकर पुलिस ऑफिसर बनकर समाज की सेवा करना चाहता है।

मस्ती की पाठशाला : नन्हे-मुन्नों के बड़े-बड़े कारनामें

मस्ती की पाठशाला के साहसी बच्चे अपनी शिक्षिकाओं के साथ

निशा मीणा

माता हलवाई के साथ पुरी बनाने जाती है और पिता कलर का काम करते हैं। एक बार पड़ोस की एक बच्ची नाली में गिर गई थी। निशा मदद के लिए लोगों को पुकारते हुए स्वयं बच्ची को बचाने दौड़ पड़ी। फिर लोगों की सहायता से उसे बाहर निकालकर बचाया। निशा डॉक्टर बनना चाहती है।

फाल्गुन खत्री

माता सिलाई का काम करती है और पिता ऑटो चालक है। माता–पिता दोनों ही मजदूरी के लिए घर से बाहर रहते हैं। एक बार का फाल्गुन की बहन को चोट लगकर पैर में घाव हो गया। इसने तुरंत इलाज कर मरहम पट्टी की। इंजीनियर बनकर देश का नया निर्माण करना चाहता है।

धीरज कन्डारा

इनके परिवार में पाँच सदस्य है। माता और पिता दोनों ही सड़क सफाई का कार्य करते है। धीरज पशुप्रेमी है व छोटे–बड़ों सबको कुत्तों को पत्थर मारने पर टोकता है। धीरज बड़ा होकर इंजीनियर व डांसर बनना चाहता है।

चन्दा नागदा

इसकी मम्मी तारा संस्थान में सफाई का काम करती है। घर पर सिलाई भी करती है। एक बार चन्दा की एक दोस्त के हाथ में कट लग गया और बहुत खून बहने लगा। चन्दा ने स्वयं तुरंत घाव की मरहम पट्टी कर स्थिति को बिगड़ने से बचाया। इंजीनियर बनने का सपना रखती है।

खुशबु ओड़

माता घर–घर झाड़ू–पोंछा करने जाती है और पिता मजदूरी करते हैं। ये तीन भाई–बहिन हैं जो दिन भर घर पर अकेले रहते हैं। खुशबू बहुत दयालु व हिम्मती स्वभाव की है। कई बार रास्ते के कोई रोता बच्चा मिल जाए तो उसे उसके घर छोड़ने जाती है। माता पिता की अनुपस्थिति में घर का सारा कार्य स्वयं करती है। बड़ी होकर टीचर बनना चाहती है।

झुग्गी झोंपड़ी के
1 बच्चे की शिक्षा
सौजन्य सहयोग
रु. 12000 प्रति वर्ष

कुछ जन्मजात महान होते हैं, कुछ महानता प्राप्त करते हैं और कुछ पर महानता लादी जाती है।

हमारी राममूर्ति गुप्ता माताजी

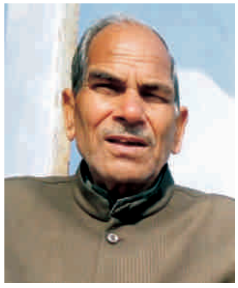

स्व. श्री राजाराम जी गुप्ता

श्रीमती राममूर्ति जी गुप्ता

आप श्री कानपुर में निवास करती हैं, आपने अपने पति स्वर्गीय राजाराम जी गुप्ता की पावन स्मृति में तारा संस्थान में अभी तक कई गरीब परिवारों को राशन सामग्री वितरण हेतु, गोरी योजना की सहायता हेतु, 50 से अधिक मोतियाबिंद ऑपरेशन, कंबल वितरण, आदि के लिए समय–समय पर सहयोग प्रदान किया है। आपके घुटनों की दिक्कत होने के कारण उदयपुर पधारना नहीं हुआ है लेकिन प्रतिदिन संस्थान की गतिविधियां टीवी पर देखती हैं। आपश्री करुणा में दया भाव से जब भी संस्थान को किसी भी प्रकार के सहयोग की आवश्यकता होती है तो अपना सहयोग प्रदान करते हैं। संस्थान परिवार धन्य है कि आप जैसे भामाशाह हमें मिले। आपका मार्गदर्शन, सहयोग व आशीर्वाद संस्थान को इसी प्रकार मिलता रहे इसी आशा और मनोकामना के साथ...

हार्दिक श्रद्धांजलि

तारा संस्थान के दानदाता श्रीमान लक्ष्मी लाल जी खजवानिया की धर्मपत्नी स्वर्गीय श्रीमती प्रेमलता जी पंचम पुण्यतिथि पर तारा संस्थान परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि।

नारायण सेवा संस्थान के संस्थापक डॉ. कैलाश 'मानव' हिन्दी आशुलिपि पुस्तक का विमोचन करते हुए। पुस्तक के लेखक तारा संस्थान के निदेशक (कार्मिक एवं प्रशासन) विजय सिंह चौहान हैं। साथ ही तारा संस्थान की संस्थापक एवं अध्यक्ष श्रीमती कल्पना गोयल एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी श्री दीपेश मित्तल भी इस अवसर पर उपस्थित थे।

आनन्द वृद्धाश्रम :

शोभा जी : मुझे एक घर मिल गया है

60 वर्षीया शोभा आंटी के पति की साल भर पूर्व मृत्यु हो गई। उनका पुत्र उनसे अलग रहता है तो शोभा जी सहारे हेतु अपनी पुत्री के साथ रहने चली गई। पुत्री अपने पति एवं सास के साथ रहती है। कुछ समय रहने के पश्चात शोभा जी को किसी परिचित ने ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद के बारे में बताया तो शोभा जी ने सोचा कि यह एक अच्छा मौका है बेटी पर से बोझ हटाने का। यही सोचकर वह वृद्धाश्रम चली आई। यहाँ ओमदीप वृद्धाश्रमों में दाखिले के बाद शोभा जी अति प्रसन्न है कि उन्हें एक घर मिल गया है। हमउम्र लोगों के साथ आनन्द से रहने लगी है और यहाँ किसी प्रकार की कोई कमी नहीं है। रहना, भोजन, चिकित्सा, मनोरंजन व सतसंग आदि सबकी उचित व श्रेष्ठ व्यवस्था है। शोभा जी कहती है कि वह इस घर को छोड़कर कहीं जाने वाली नहीं है।

आनन्द वृद्धाश्रम सेवा (प्रतिबुजुर्ग)			वृद्धाश्रम बुजुर्गों हेतु भोजन मिति 3500 रु. (एक समय)
01 वर्ष 60000 रु.	06 माह 30000 रु.	01 माह 5000 रु.	

तारा नेत्रालय :

एक गरीब बच्चे की जिन्दगी का सवाल था

एक गरीब मजदूर का काजू कुमार नामक 9 वर्षीय बेटा कोई दो–तीन बार बीमार हुआ। वह अब 5 में पढ़ता है। उसे कक्षा में अक्षर दिखने बंद हो गए। उसके पिता को पता चला कि काजू की आँखें कमजोर हो गई है, उसे बहुत कम दिखाई देने लगा है लेकिन गरीबी के चलते वह किसी प्रकार का इलाज नहीं करा सका। बच्चा बड़ी परेशानी में था उसकी जिन्दगी का सवाल था पर पिता किशनलाल चाह कर भी अपने पुत्र का कुछ नहीं कर पा रहा था। फिर एक दिन भीण्डर कस्बे में तारा नेत्रालय, उदयपुर का नेत्र शिविर लगा जिसमें वह काजू कुमार को लेकर गया जहाँ बच्चे की जाँच करके उसके मोतियाबिन्द का ऑपरेशन करवाने तारा नेत्रालय जाने की सलाह दी गई। सफल ऑपरेशन के बाद सब खुश है।

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)				
17 ऑपरेशन	09 ऑपरेशन	06 ऑपरेशन	03 ऑपरेशन	01 ऑपरेशन
51000 रु.	27000 रु.	18000 रु.	9000 रु.	3000 रु.

आपत्ति होने पर जो उसका प्रतिकार कर लेता है वही बुद्धिमान है।

गौरी योजना :

श्रीमती मांगी बाई : जब तक मेरे बच्चे सक्षम न हो जाए तब तक मदद जारी रखें

35 वर्षीया मांगी बाई के पति की बीमारी से लगभग 13 वर्ष पहले मृत्यु हो गई। मांगी बाई के एक पुत्र व पुत्री है। इनके आय का कोई स्रोत नहीं है, न ही किसी प्रकार की खेती। कोई रिश्तेदार भी इनकी मदद करने जितना सक्षम नहीं है। अतएवं अपने बच्चों को बड़ा करने व पढ़ाने हेतु मांगी बाई स्वयं मजदूरी करके जैसे तैसे काम चलाती हैं लेकिन मजदूरी भी नियमित नहीं मिलती है, महीने में कोई 10 दिन मात्र जो कि घर चलाने हेतु काफी नहीं है। बीमारी आदि आपदा में वह पड़ोसियों से उधार लेकर बाद में काम करके चुकाती है। कुल मिलाकर मांगी बाई जैसे तैसे दो जून की रोटी जुटा पा रही है। पर उसे अपने बच्चों को पढ़ा लिखाकर सक्षम बनाने की चिंता है। जब तारा संस्थान को मांगी बाई की अवस्था का पता चला तो फौरी तौर पर 1000 रु. की मासिक पेंशन देनी शुरू की जिससे इनको बहुत राहत मिली है। श्रीमती मांगी बाई तारा संस्थान व दानदाताओं को हृदय से धन्यवाद देकर कहती है कि जब तक मेरे बच्चे सक्षम न हो जाए तब तक मदद जारी रखें।

गौरी योजना सेवा (प्रति विधवा महिला सहायता)

01 वर्ष - 12000 रु.	06 माह - 6000 रु.	01 माह - 1000 रु.

तृप्ति योजना :

श्रीमती हकरी बाई : एक दिन अचानक मेरी दोनों आँखों की रोशनी चली गई

लगभग 45 वर्षीया हकरी बाई बरसों पहले सब्जी बेचने का धंधा करती थी। लगभग 22 वर्ष धंधे पर बैठे–बैठे ही अचानक पूर्णतः अंधी हो गई। सब कुछ पलक झपकते ही हो गया और उसकी सारी दुनिया अंधकारमय हो गई। डॉक्टरों को दिखाकर ऑपरेशन करवाया पर कोई फायदा नहीं हुआ। तब से आज तक हकरी बाई नेत्रहीन व लाचार है किराए के मकान में पति व पुत्री के साथ रहते है। पति एक कान से नहीं सुनते है तथा सांस की बीमारी भी है सो उन्हें भी मुश्किल से मजदूरी मिल पाती है। हकरी बाई को अपनी पुत्री को बड़ा करके सक्षम बनाने की बड़ी चिंता है लेकिन लाचार स्त्री करे तो क्या करे? अगर देख पाती तो काम करके कुछ आय ले आती पर पति सहित सब लोग बड़ी मुफलिसी का जीवन जी रहे हैं। खाने–पीने व किराए का कोई निश्चित उपाय नहीं है। हकरी बाई कहती है कि उसका जीवन अंधकारमय और उजाड़ सा हो गया है, तनिक मात्र का सुख नहीं देखा पिछले 22–23 वर्षों से। अब जैसे–जैसे उम्र बढ़ रही है तो पुत्री की चिन्ता खाए जा रही है। तारा संस्थान ने हकरी बाई की स्थिति देखकर तुरंत मासिक राशन व रु. 300 प्रतिमाह तृप्ति योजना के अन्तर्गत उन्हें उनके द्वार पहुँचा कर उस अभागे परिवार को कुछ राहत पहुँचाई है। श्रीमती हकरी बाई तारा संस्थान के दानदाताओं की आभारी होकर दुआ देती है कि वे खूब फले फूलें और ईश्वर उनका कल्याण करें।

तृप्ति योजना सेवा (प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)

01 वर्ष - 18000 रु.	06 माह - 9000 रु.	01 माह - 1500 रु.

न्यूज ब्रीफ – 1 :

05.11.2019

प्रयागराज स्थित रवीन्द्रनाथ गौड़ आनन्द वृद्धाश्रम के बुजुर्गों ने भारद्वाज मंदिर पर दर्शन कर पिकनिक, भोजन प्रसाद आदि ग्रहण किया।

10.11.2019

अपने पिताजी की पावन स्मृति में दिल्ली की दानदाता व प्रेरक श्रीमती मुन्नी देवी जी पुनिया के सौजन्य से द्वारका मोड़, दिल्ली में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं मोतियाबिंद ऑपरेशन चयन शिविर का आयोजन किया गया।

10.11.2019

तारा संस्थान, उदयपुर (राज.) द्वारा तारा नेत्रालय (भाटिया सेवक समाज रजि.) एनआईटी 2 फरीदाबाद में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

14.11.2019

मस्ती की पाठशाला के छात्रों ने बाल दिवस पर फैंसी ड्रेस व कैट वॉक की प्रस्तुतियाँ दी।

18.11.2019

जया मिश्रा जी ने अपना जन्मदिवस प्रयागराज स्थित रवीन्द्रनाथ गौड़ आनंद वृद्धाश्रम में मनाया।

न्यूज ब्रीफ - 2 :

17.11.2019

तारा संस्थान उदयपुर राज. द्वारा पार्कलेन होटल एवं रेस्टोरेंट, कमला नगर, आगरा में स्नेह मिलन एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया।

19.11.2019

राजकीय वृद्धाश्रम बलीचा उदयपुर में सुंदरकांड वाचन के कुछ दृश्य।

21.11.2019

ओमदीप आनन्द वृद्धाश्रम, फरीदाबाद में सेक्टर 15ए महिला मण्डल की ओर से आश्रम में मातारानी का गुणगान और भजन कीर्तन के दृश्य।

21.11.2019

तारा संस्थान के आनंद वृद्धाश्रम में आज एनसीसी कैडेट्स द्वारा विजिट व सांस्कृतिक प्रोग्राम का आयोजन किया गया। निम्न अधिकारी पधारे : कर्नल श्री प्रदीप देव व उनकी धर्मपत्नी, मेजर अदिति जी एवं सूबेदार सतीश जी।

26.11.2019

रमेश एंड शारदा अग्रवाल फाउंडेशन की मेजबानी में मंगलवार को सेक्टर 14 स्थित तारा सेवा संस्थान में संविधान दिवस मनाया। इस अवसर पर बुजुर्गों को संविधान के बारे में बताया।

विनम्र अपील :

जैसा कि आपको विदित है तारा नेत्रालय (उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई, फरीदाबाद व लोनी) जरूरतमंद निर्धनों हेतु आँखों के मोतियाबिन्द के मुफ्त इलाज करते हैं। इसी प्रक्रिया में हमें अनेक महंगी मशीनों व यंत्रों की आवश्यकता पड़ती है वर्तमान में निम्न मशीनों की तुरंत आवश्यकता है, कृपया मुक्तहस्त सहयोग करें।

Auto Kerato Refractometer
ऑटो केराटो रिफ्रैक्ट्रोमीटर

मरीजों के चश्मे के व आँख में लगने वाले लेन्स के नम्बर निकालने के काम आता है।

कीमत रु. 4,20,000/-
(चार लाख बीस हजार रुपये)

Non-Contact Tonometer
नॉन-कांटेक्ट टोनोमीटर

आँख के अंदरूनी तरल पदार्थ के दबाव (IOP) की जाँच मे उपयोगी जिससे काला पानी बीमारी का पता चलता है। (बिना आँख को स्पर्श किये)

कीमत रु. 4,48,000/- (चार लाख अड़तालीस हजार रुपए)

नेत्र शिविर सौजन्य
मोतियाबिन्द
जाँच-चयन-शिविर
आयोजन एवं 30 ऑपरेशन
सहयोग सौजन्य,
प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच -
चश्मा वितरण -
दवाई सहयोग राशि,
प्रतिशिविर - 21000 रु.

कृपया आपश्री सहमति पत्र के साथ अपना सहयोग भेजें

आदरणीय अध्यक्ष महोदया,

मैं (नाम) ..... सहयोग मद / उपलक्ष्य में / स्मृति में .....

संस्थान द्वारा संचालित सेवा कार्यों में रुपये ..... का केश / चैक / डी.डी. नम्बर .....

दिनांक ..... से सहयोग भेजने की सहमति प्रदान करता / करती हूँ।

मेरा पता (नाम) ..... पिता (नाम) .....

निवास पता .....

लेण्ड मार्क ..... जिला ..... पिन कोड ..... राज्य .....

फोन नम्बर घर / ऑफिस ..... मो.नं. ..... ई–मेल .....

तारा संस्थान, उदयपुर के नाम पर दान - सहयोग प्रदान करें।

हस्ताक्षर

बुद्धिमान आदमी को जितने अवसर मिलते हैं उससे कहीं ज्यादा वह स्वयं निर्मित कर लेता है।

मोतियाबिन्द जाँच - ऑपरेशन हेतु चयन शिविर

तारा संस्थान द्वारा निर्धन वृद्ध बन्धुओं की आँखों में सामान्यतः पाये जाने वाले मोतियाबिन्द के निदान और ऑपरेशन हेतु चयन के लिए शिविर आयोजित किये जाते हैं। दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं की स्थिति अधिक ही पीड़ादायक है, क्योंकि प्रथम तो उन्हें मोतियाबिन्द–ऑपरेशन की सुविधा आसानी से उपलब्ध नहीं है एवं द्वितीय, निर्धनता उनकी चिकित्सा में बड़ा अवरोधक है। तारा संस्थान ने ऐसे निर्धन बन्धुओं की जाँच हेतु शिविर लगाने एवं चयनित मोतियाबिन्द ग्रस्त बन्धुओं के शिविर स्थल के निकटवर्ती कस्बे या शहर में स्थित अधुनातन सुविधाओं से सम्पन्न नेत्र चिकित्सालयों या संस्थान के उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद स्थित 'तारा नेत्रालय' में सर्वथा निःशुल्क ऑपरेशन करवाने का कार्य प्रारंभ किया है। निःशुल्क सुविधाओं में मोतियाबिन्द की जाँच, दवाइयाँ, लेंस, ऑपरेशन, चश्मे, रोगियों का परिवहन, भोजन तथा देखभाल आदि सम्मिलित हैं।

दानदाताओं के सौजन्य से माह नवम्बर – 2019 में आयोजित शिविरों का संक्षिप्त विवरण

तारा नेत्रालय – उदयपुर, दिल्ली, मुम्बई व फरीदाबाद में आयोजित शिविर :

सौजन्यकर्त्ता : श्री हसंराज पुत्र श्री घीसुलाल गुर्जर – अजमेर (राज.), श्री प्रहलाद सिंह सिसोदिया – प्रतापगढ़ (राज.), श्री शंकर लाल जी – भरतपुर (राज.), श्री राजेन्द्र जी – दीमापुर (नागालैण्ड), श्री जयन्ति लाल जैन – हैदराबाद, श्रेया जी (किशन जी) नितिन पौद्दार – जयपुर (राज.)

अन्य दानदाताओं के सौजन्य से देशभर में आयोजित शिविर :

श्री अजित प्रेम जनमंगल ट्रस्ट – अहमदाबाद (गुज.), श्रीमती कुसुम लता गुप्ता – कैथल (हरि.), श्रीमती प्रतिमा डी. धर्मपत्नी श्री डी.एस. पटेल – लन्दन, श्रीमती दुर्गा देवी जगदीश प्रसाद करनाणी – नोखा (राज.), श्रीमती मुन्नी देवी पूनिया – दिल्ली, श्री दुर्गा प्रसाद धनुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली, वर्धमान प्लाजा – दिल्ली, नेशनल प्रोग्राम फॉर कंट्रोल ऑफ ब्लाइंडनेस – दिल्ली, श्रीमती सुषमा धर्मपत्नी श्री सत्यभूषण जैन – दिल्ली, टी.आर.आई. न्यूट्रिएंट्स प्रा.लि. – दिल्ली, श्री चिरंजी लाल धनुका चैरिटेबल ट्रस्ट – दिल्ली, श्रीमती सुनीता विजय कुमार गुप्ता – मुम्बई रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली राजधानी – दिल्ली, सुश्री लीना बेन दमणिया – मुम्बई, श्रीमती मोहनी नारायण वलेचा – अंधेरी (मुम्बई) श्री गुलशन राम लाल विजन एवं श्री कांति लाल जे. मोदी एवं डॉ. ओ.सी. जैन (योग विशेषज्ञ) – रतलाम (म.प्र.)

स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा की प्रेरणा से "The Ponty Chaddha Foundation" के सौजन्य से आयोजित शिविर :

स्थान : बड़ी चौपाल, गाँव कतलुपुर, सोनीपत (हरियाणा)

सचखण्ड नानक धाम (रजि.), गुरुद्वारा रोड, इन्द्रापुरी, लोनी, गाजियाबाद (उ.प्र.)

जे.बी.एम. पब्लिक स्कूल, 497-498, न्याय खंड – 2, इंदिरापुरम, गाजियाबाद (उ.प्र.)

इन शिविरों में चयनित सभी रोगियों के तारा नेत्रालय, दिल्ली एवं मुम्बई में निःशुल्क मोतियाबिन्द ऑपरेशन करवाए गए हैं। मानवीय सेवा सौजन्य के लिए तारा संस्थान, उदयपुर, दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबन्धक कमेटी एवम् वेव इन्फ्राटेक, दिल्ली के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करता है एवं स्व. सरदार कुलबन्त सिंह चड्डा के प्रति हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करता है।

विजन फाउण्डेशन ऑफ इंडिया : कुल 20 शिविर (देशभर में)

Thanks :

NAMES AND PLACES OF THE DONORS WE ARE GRATEFUL OF

Donors are requested kindly to send their photographs along with donation for publishing in TARANSHU

Stuti Jain and Ritika Jain
D/o Mr. Mohan Lal Jain, Dadri (UP)

Mr. Hitesh Bhai - Mrs. Hasti Ben
Surat (Guj.)

Lt. Mr. Ravi Goyal
Jaipur

Mrs. Anshu Khanna
Panchkula (HR)

Mrs. Manorama Ji
Delhi

Aarsh Jain & Parshav Jain
S/o Ankit Ji Jain, Durg (CG)

Mr. J. Melwa Kumar
Coimbatore (T.N.)

Mr. Ram Narayan Sharma
Jaipur (Raj.)

Mrs. Suhasini Vishnu
Nakhekar, Dahisar (Mumba)

Mrs. Anita Yadav
Secunderabad (T.G.)

Mrs. Savita Arya
New Delhi

Lt. Mr. Kanhaiya Lal Jain
Sakinaka, Mumbai

Mr. Vinod Kumar Verma
Delhi

Mr. Yashpal Butta
Delhi

Mrs. Asha Gupta
Kanpur (UP)

"तारा परिवार का सौभाग्य कि आपने अभिनन्दन का अवसर प्रदान किया"

श्री राम जी दुरी
मुम्बई

श्रीमती पदमावती एस. वास्तकर
यवतमाल (महा.)

श्रीमती पूजा धर्मपत्नी श्री नितिन गुप्ता
कृष्णा नगर, दिल्ली-51

श्रीमती हंसा गुप्ता, श्रीमती वन्दना गुप्ता एवं
श्री जय किशन गुप्ता, मण्डी (हि.प्र.)

श्रीमती कृष्णा जी
प्रयागराज (उ.प्र.)

समायरा अग्रवाल
जयपुर (राज.)

श्रीमती उषा शर्मा
जिरखपुर (पं.)

श्री मानचन्द गडिया
शाहपुरा, भीलवाड़ा (राज.)

श्रीमती डी. कुमुद मेहता
घाटकोपर, मुम्बई

श्री जयन्त शंकर मानकेकर
पुणे

श्री उज्जवला प्रकाश
बाफना, पुणे

श्री शिव कुमार जी कोठारी
अमरावती (महा.)

श्री अनिल हरदसमल अम्बरपानी
यवतमाल (महा.)

श्री जयसिंह भाई
(भुजिया वाले), मोरबी (गुज.)

श्री सुधा जी
राजकोट (गुज.)

श्री सतीश फतेहचन्द कोठारी
अकोला (महा.)

श्रीमती अरुणा आर. शुक्ला
राजकोट (गुज.)

श्री उपेन्द्र अजय मेहता
मोरबी (गुज.)

श्री नरेश जी
कोरबा (छ.ग.)

श्रीमती साधना गुप्ता
दिल्ली-34

श्रीमती हर्ष आर्या
दिल्ली-34

श्री अंकित अग्रवाल
कोरबा (छ.ग.)

श्रीमती आदर्श भाटिया
दिल्ली-34

श्री हनुमान प्रसाद अग्रवाल
कोरबा (छ.ग.)

श्री सुभाष जी
रायपुर (छ.ग.)

श्री नवीन गुप्ता
दिल्ली-34

श्री अर्जुन लाहोटी
सिकन्दराबाद (ते.गा.)

दूसरों को खुशी देने में ही अपनी खुशी का रहस्य छिपा हुआ है।

AREA SPECIFIC TARA SADHAKS

Sanjay Choubisa
Area Delhi
Cell : 07821055717

Gopal Gadri
Area Delhi
Cell : 07821855741

Amit Sharma
Area Delhi
Cell : 07821855747

Ramesh Yogi
Area Lucknow (UP)
Cell : 07821855739

Narayan Sharma
Area Hyderabad
Cell : 07821855746

Vikas Chaurasia
Area Jaipur (Raj.)
Cell : 09983560006

Kailash Prajapati
Area Mumbai
Cell : 07821855738

Deepak Purbia
Area Punjab
Cell : 07821055718

Pavan Kumar Sharma
Area Bikaner & Nagpur
Cell : 07821855740

Rameshwar Jat
Area Gurgaon, Faridabad
Cell : 07821855758

Santosh Sharma
Area Chennai
Cell : 07821855751

Mukesh Gadri
Area Noida, Ghaziabad
Cell : 07821855750

Kamal Didawania
Area Chandigarh (HR)
Cell : 07821855756

Prakash Acharya
Area Surat (Guj.)
Cell : 07821855726

Krishna Gopal Yadav
Area Jodhpur, Kanpur
Cell : 07412051606

'TARA' CENTRE - INCHARGES

Shri S.N. Sharma
Mumbai
Cell : 09869686830

Shri Prem Sagar Gupta
Mumbai
Cell : 09323101733

Shri Bajrang Ji Bansal
Kharsia (C.G.)
Cell : 09329817446

Shri Dinesh Taneja
Bareilly (U.P.)
Cell : 09412287735

Shri Anil Vishvnath Godbole
Ujjain (M.P.)
Cell : 09424506021

Shri Vishnu Sharan Saxena
Bhopal (M.P.)
Cell : 09425050136
08821825087

Smt. Rani Dulani
10-B/B, Viceroy Park, Thakur Village,
Kandiwali (W), Mumbai 400 101, Cell : 09029643708

TARA SANSTHAN BANK ACCOUNTS

ICICI Bank (Madhuban) . . . A/c No. 004501021965 . . . . . IFSC Code : icic0000045
State Bank of India . . . . . A/c No. 31840870750 . . . . . IFSC Code : sbin0011406
IDBI Bank . . . . . A/c No. 1166104000009645 . IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank . . . . . A/c No. 912010025408491 . . . IFSC Code : utib0000097
HDFC Bank . . . . . A/c No. 12731450000426 . . . . IFSC Code : hdfc0001273
Canara Bank . . . . . A/c No. 0169101056462 . . . . . IFSC Code : cnrb0000169
Central Bank of India . . . A/c No. 3309973967. . . . . IFSC Code : cbin0283505
Punjab National Bank . . A/c No. 8743000100004834 . IFSC Code : punb0874300
Yes Bank . . . . . A/c No. 065194600000284 . . . IFSC Code : yesb0000651

DONORS KINDLY NOTE

It you do not get any response from any of the above mentioned Mob. numbers, Kindly inform us at Mobile No. **09549399993 and / or 09649399993**

INCOME TAX EXEMPTION ON DONATIONS

Donations to Tara Sansthan are TAX-EXEMPT under section 80G of I.T. Act. 1961 at the rate of 50%

Donation to **"TARA SANSTHAN"** may be sent by cheque/draft drawn in favor of Tara Sansthan, payable at Udaipur, OR may be remitted direct into any of the following Bank Accounts, with caopy of pay-in-slip and Donor's address to Tara Sansthan, Udaipur for expediting Donation Acknowledgment Receipt

FCRA

Tara Sansthan is registered under Foreign Contribution Regulation Act (FCRA) with the Govt of India for receiving Donations from Foreign Countries VIDE Registration No. 125690108

HUMANITARIAN ENDEAVORS OF TARA SANSTHAN

TARA NETRALAYA - Udaipur
236, Hiran Magari, Sector 6, Udaipur (Raj.)
313002, Mob. No. +91 9649399993

TARA NETRALAYA - Delhi
WZ-270, Village - Nawada, Opp. 720,
Metro Pillar, Uttam Nagar, Delhi - 110059
Mob. No. +91 9560626661

TARA NETRALAYA - Mumbai
Unit No. 1408/7, 1st Floor, Israni Indl.
Estate, Penkarpara, Nr. Dahisar Check-post,
Meera Road, Thane - 401107 (Maharashtra)
Phone No. 022-28480001, +91 9529285557

TARA NETRALAYA - Faridabad
Bhatia Sewak Samaj (Regd.), N.H. - 2, Block - D,
N.I.T., Faridabad - 121001 (Haryana)
Phone No. 0129-4169898, +91 7821855758

TARA NETRALAYA - Loni
Pt. Munshilal-Draupadi Devi Free Eye Hospital
Plot No: 78-79, Shiv Vihar Coloney,
Near Mokshdham Mandir, Chirodi Road,
Banthla Loni, Gaziabad (U. P.)
Mob. No. +91 7821855750

TARA NETRALAYA - Ratlam
Smt. Vimla Mukhija Charitable Netra &
General Clinic, Vimal Niwas, Street No. 1,
Near Ujala Palace Hotel, Station Road,
Ratlam (M.P.) 457001,
Mob. No. +91 7821855745

ANAND VRUDHASHRAM - Udaipur
#344/345, Hiran Magri, (In the lane of
Rajasthan Hospital, Opposite Kanda House)
Sector – 14, J-BLock, Udaipur - 313001 (Raj.)
Mob. +91 8875721616

TARA SANSTHAN RAJKIYA VRUDDHASHRAM
100ft. Road, Om Banna Road, Opp. Hyundai
Show Room, South Extension, Balicha,
Udaipur (Raj.) - 313001

RAVINDRA NATH GAUR ANAND VRUDHASHRAM - Allahabad
25/39, L.I.C. Colony, Tagor Town, Allahabad -
211022 (U.P.), Phone No. 0532-2465035

OM DEEP ANAND VRUDHASHRAM - Faridabad
866, Sec - 15A, Faridabad - 121007
(Haryana) Mob. No. +91 7821855758

SHIKHAR BHARGAVA PUBLIC SCHOOL
H.O. Bypass Road, Gokul Village,
Sector - 9, Udaipur - 313002 (Raj.)
Mob. No. +91 7229995399

तारांशु (हिन्दी - अंग्रेजी) मासिक, दिसम्बर - 2019
प्रेषण तिथि : 11-17 प्रति माह
प्रेषण कार्यालय का पता : मुख्य डाकघर, चेतक सर्कल, उदयपुर

समाचार पत्र पंजीयन सं. : RAJBIL/2011/42978
डाक पंजीयन क्र. : आर.जे./यू.डी./29-102/2018-2020
मुद्रण तिथि : 9 प्रतिमाह

तारा संस्थान के निःशुल्क मानवीय सेवा प्रकल्प, आपसे प्रार्थित अपेक्षित सहयोग -सौजन्य राशि

नेत्र चिकित्सा सेवा (मोतियाबिन्द ऑपरेशन)

17 ऑपरेशन - 51000 रु., 09 ऑपरेशन - 27000 रु., 06 ऑपेरशन - 18000 रु., 03 ऑपरेशन - 9000 रु., 01 ऑपरेशन - 3000 रु.

नेत्र शिविर सौजन्य

मोतियाबिन्द जाँच-चयन-शिविर आयोजन एवं 30 ऑपरेशन सहयोग सौजन्य, प्रति शिविर - 151000 रु.
चश्मा जाँच - चश्मा वितरण - दवाई सहयोग राशि, प्रतिशिविर - 21000 रु.

तृप्ति योजना सेवा	गौरी योजना सेवा	आनन्द वृद्धाश्रम सेवा	वृद्धाश्रम बुजुर्गों
(प्रति बुजुर्ग खाद्य सामग्री सहायता)	(प्रति विधवा महिला सहायता)	(प्रतिबुजुर्ग)	हेतु भोजन
01 वर्ष - 18000 रु.	01 वर्ष - 12000 रु.	01 वर्ष - 60000 रु.	मित्ति
06 माह - 9000 रु.	06 माह - 6000 रु.	06 माह - 30000 रु.	3500 रु.
01 माह - 1500 रु.	01 माह - 1000 रु.	01 माह - 5000 रु.	(एक समय)

1,50,000 रु. संचित निधि में जमा करवा कर आप एक विधवा महिला को आजीवन 1000 रु. प्रति माह सहयोग कर पाएँगे

सहयोग राशि

आजीवन संरक्षक 51000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 2 मोतियाबिन्द ऑपरेशन,
आजीवन सदस्य 21000 रु., अर्जित ब्याज से दानदाता के नाम से इच्छित दिनांक को प्रतिवर्ष 1 मोतियाबिन्द ऑपरेशन (संचितनिधि में)

दान पर आयकर में छूट : तारा संस्थान को दिया गया दान आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत आयकर में 50% छूट योग्य मान्य है।

निवेदन : कृपया अपना दान - सहयोग नकद या 'तारा संस्थान, उदयपुर' के पक्ष में देय
चैक/ड्राफ्ट द्वारा संस्थान के पते पर प्रेषित करने का कष्ट करें, अथवा : अपना दान सहयोग तारा संस्थान के निम्नांकित किसी बैंक खाते में जमा करवा कर 'पे-इन-स्लिप' अपने पते सहित संस्थान को प्रेषित करें ताकि दान - सहयोग प्राप्ति रसीद आपको तत्काल भेजी जा सके।

ICICI Bank (Madhuban) A/c No. 004501021965	IFSC Code : ICIC0000045
State Bank of India A/c No. 31840870750	IFSC Code : SBIN0011406
IDBI Bank A/c No. 1166104000009645	IFSC Code : IBKL0001166
Axis Bank A/c No. 912010025408491	IFSC Code : UTIB0000097
HDFC A/c No. 12731450000426	IFSC Code : HDFC0001273
Canara Bank A/c No. 0169101056462	IFSC Code : CNRB0000169
Central Bank of India A/c No. 3309973967	IFSC Code : CBIN0283505
Punjab Nationa Bank A/c No. 8743000100004834	IFSC Code : PUNB0874300
Yes Bank A/c No. 065194600000284	IFSC Code : YESB0000651

PAN CARD NO. TARA - AABTT8858J

'तारा' के सेवा प्रकल्पों का
कृपया टी.वी. चैनल्स पर प्रसारण देखें :-

'पारस'
रात्रि 8:20
से 8:40 बजे

'आस्था भजन'
प्रातः 8:40 से
9:00 बजे

बुक पोस्ट

तारा संस्थान
डीडवाणिया (रतनलाल) निःशक्तजन सेवा सदन,
236, सेक्टर - 6, हिरण मगरी, उदयपुर (राज.) 313002
मो. +91 9549399993, +91 9649399993
Email : info@tarasansthan.org, donation@tarasansthan.org,
Website : www.tarasansthan.org